

डॉ. जॉर्ज पेटन, बाइबल अनुवाद, सत्र 21, जनन संबंधी वाक्यांश

© 2025 जॉर्ज पेटन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. जॉर्ज पेटन द्वारा बाइबल अनुवाद पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 21 है, जननात्मक वाक्यांश।

अगली अनुवाद कठिनाई जिसके बारे में हम बात करेंगे वह है जननात्मक वाक्यांशों का अनुवाद कैसे करें।

और यह एक और संचार चुनौती है जो हमें नए नियम और पुराने नियम का सामना करते समय मिलती है। एक जननात्मक वाक्यांश किसी भी भाषा में एक वाक्यांश है, लेकिन विशेष रूप से हमारे मामले में ग्रीक और हिब्रू में, जिसमें दो संज्ञाएँ पूर्वसर्ग से जुड़ी होती हैं। और सबसे आम तौर पर, जननात्मक वाक्यांशों को हम स्वामित्व दिखाने के रूप में सोचते हैं।

तो, आपके पास मेरी माँ का घर है, या हम कह सकते हैं कि मेरी माँ का घर। हालाँकि, इस प्रकार के निर्माण के कई अन्य तरीके हैं जिनसे यह ग्रीक और हिब्रू में कार्य करता है, और प्रत्येक भाषा में 20 या 30 अलग-अलग कार्य होते हैं, जिस तरह से वे जननात्मक का उपयोग करते हैं। हम उन सभी को कवर नहीं करने जा रहे हैं, लेकिन हम कम से कम उनमें से कुछ को कवर कर सकते हैं।

फिर हम इसका अनुवाद करने की प्रक्रिया को कवर करेंगे। तो, पहला है कुत्ते की पूँछ। कुत्ते की पूँछ।

क्या कुत्ते की पूँछ पर उसका मालिकाना हक है? हाँ, हाँ, लेकिन आप इसके मालिकाना हक वाले हिस्से पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। पूँछ कुत्ते का एक हिस्सा है, इसलिए यह विभाजनकारी है - एक बाल्टी पानी।

ठीक है, क्या पानी बाल्टी का मालिक है, या बाल्टी पानी की मालिक है? नहीं, यह कोई अधिकार वाली बात नहीं है। यह बाल्टी है जिसमें पानी है, बाल्टी जिसमें पानी है - मरियम का गीत।

क्या वह गाना उनकी अपनी है? मुझे नहीं पता कि उस गाने के निर्माण के लिए उनके पास कॉपीराइट है या नहीं, इसलिए हो सकता है कि वह उस गाने की मालिक न हों, लेकिन फिर भी उन्होंने इसे गाया है। यह वही गाना है जो उन्होंने गाया था - सिटी ऑफ़ जेरूसलम।

यह एक शहर है जिसे यरुशलम कहा जाता है। और इसलिए, ये संज्ञाओं के साथ और संज्ञाओं के साथ जननात्मक निर्माण के वाक्यांश के उपयोग हैं जो कब्जे को संप्रेषित नहीं करते हैं, और यही वह है जिस पर हम ध्यान केंद्रित करने जा रहे हैं। ठीक है, तो जननात्मक वाक्यांशों के दो मूल प्रकार हैं, और एक व्यक्तिपरक है।

तो, यह उस कर्ता से संबंधित है जो क्रिया कर रहा है या जिस क्रिया का उल्लेख किया गया है। फिर से, हम इसे अमूर्त संज्ञाओं के साथ प्राप्त करते हैं, जो वास्तव में एक क्रिया है। उदाहरण के लिए, ईश्वर का प्रेम या ईश्वर का प्रेम।

ईश्वर ही प्रेम करने वाला है, इसलिए वह प्रेम करने की इस क्रिया का विषय है, और इसलिए हम यह भी कह सकते हैं कि ईश्वर प्रेम करता है, जो ईश्वर के प्रेम का एक विस्तार है। और इसलिए ईश्वर एक विषय

है, और इसलिए यह जननात्मक का एक व्यक्तिपरक उपयोग है। फिर हमारे पास एक उद्देश्य है, जो शायद अधिक सामान्य है, और यह किसी तरह इस वस्तु का वर्णन कर रहा है।

तो, आप कहते हैं, लड़के को कुत्तों से डर लगता था। तो, कुत्तों का डर एक जननात्मक निर्माण है। और यह उस तरह के डर का वर्णन करता है जो उसे लगता था।

वह उस कुत्ते या कुत्तों से डरता था। इसलिए, जननात्मक वाक्यांश के प्रकार को जानने से हमें इसका अर्थ समझने और इसका उपयोग करने के तरीके को समझने में मदद मिल सकती है। दो संज्ञाओं को of से जोड़ना चुनौतीपूर्ण हो सकता है, और यही कारण है कि हम ऐसा कर रहे हैं।

फिर से, हम उन सभी अलग-अलग अनुवाद चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जिनसे हमने शुरुआत की थी, पहले पाठ को समझना, पहले इन अलग-अलग जटिल अनुवाद कठिनाइयों को समझना, और फिर अनुवाद में लक्ष्य भाषा में इसे वाक्यांशबद्ध करना। ठीक है, तो जनन वाक्यांशों के कुछ उदाहरण क्या हैं? खैर, हमारे पास पहले से ही कुछ हैं, दो संज्ञाओं के साथ, और हमारे पास आत्मा का फल था। फिर से, यह एक अधिकार नहीं होगा, और हमने गलातियों में उस विशेष श्लोक में कहा कि आत्मा लोगों में फल पैदा करती है।

तो, यह आत्मा द्वारा उत्पादित फल है; आत्मा ही वह है जो फल उत्पन्न करती है। ठीक है, और हमने पश्चाताप के बपतिस्मा के बारे में बात की। तो, बपतिस्मा और पश्चाताप के बीच का संबंध यह है कि बपतिस्मा एक संकेत है कि एक व्यक्ति ने पश्चाताप किया है।

इसलिए, बपतिस्मा लेना दर्शाता है कि उन्होंने पश्चाताप किया है। और हमारे पास प्रभु का आगमन था, और हमने कहा कि यह एक समय वाक्यांश है, वह समय जब प्रभु आएंगे या आएंगे। हमारे पास यह भी था: उन्होंने हमें आपके प्यार के बारे में बताया, उन्होंने हमें बताया कि आप लोगों से प्यार करते हैं, या उन्होंने हमें बताया कि आप लोगों से कैसे प्यार करते हैं।

ठीक है, तो हमने क्या किया? हमने इसे कैसे तोड़ा? सबसे पहले, आप विचार करें कि यह क्रिया का विषय है या वस्तु, क्या इसका वर्णन किया जा रहा है या यह कोई व्यक्ति है जो क्रिया कर रहा है, या किसी तरह से व्यक्ति क्रिया से संबंधित है। किस तरह से दूसरी संज्ञा पहली संज्ञा को संशोधित करती है, या क्या पहली संज्ञा दूसरी संज्ञा को संशोधित करती है? फिर हम जो करने की कोशिश करते हैं वह इन संज्ञाओं के बीच के संबंध को स्पष्ट तरीके से व्यक्त करना है ताकि लोग यह स्पष्ट कर सकें कि वे क्या पढ़ रहे हैं और इन दो शब्दों के बीच क्या संबंध है। यह सरल लगता है, लेकिन यह जितना सोचा जा सकता है उससे कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण है।

ठीक है, यहाँ कुछ उदाहरण दिए गए हैं। ठीक है, लूका 1.5, यहूदा के राजा हेरोदेस के दिनों में। ठीक है, हेरोदेस के दिनों में, यह स्पष्ट रूप से किसी प्रकार का समय वाक्यांश है।

यहूदा के राजा, हेरोदेस का यहूदा से क्या संबंध था? उसने यहूदा पर शासन किया। इसलिए, हम कह सकते हैं कि, उस समय जब हेरोदेस ने यहूदा पर शासन किया था। यह जननात्मक शब्दों को तोड़ता है, इसे सीधे तरीके से कहता है, और वास्तविक क्रियाओं का उपयोग करता है।

हम यहाँ यह भी कह सकते हैं, अगर हम वचन को बनाए रखना चाहते हैं, तो राजा ने यहूदा पर राजा के रूप में शासन किया, और यह संभवतः बनाए रखना एक अच्छी बात होगी। इसलिए, हम कहेंगे कि जब हेरोदेस ने यहूदा पर राजा के रूप में शासन किया। ठीक है, लूका 1:6, यह बताता है कि जकर्याह और एलिजाबेथ परमेश्वर की दृष्टि में धर्मी थे।

परमेश्वर की दृष्टि तब हमारा जननात्मक वाक्यांश है। प्रभु की आज्ञाओं में निर्दोषता से चलना। इसलिए, परमेश्वर ने देखा कि जकर्याह और एलिजाबेथ धर्मी थे, और इसलिए, परमेश्वर की दृष्टि में, इसका मतलब है कि परमेश्वर ने उन्हें देखा।

और इसलिए, ईश्वर द्रष्टा है, यह व्यक्तिपरक है। वह मुख्य व्यक्ति है जिसे देखा जाता है। ठीक है? एक और बात जो वे हिब्रू में कहते हैं, कुछ मायनों में, भगवान के सामने है।

जैसा कि कहा गया है, नूह प्रभु के सामने धर्मी था। शब्द पहले एक पूर्वसर्ग है। यह वास्तव में हमें बहुत कुछ नहीं बताता है, इसलिए यह हमें मुद्दे से पूरी तरह बाहर नहीं निकाल रहा है।

यह समस्या का पूरी तरह से समाधान नहीं है। हम यह भी कह सकते हैं कि भगवान ने इसे किसने देखा। इसलिए, अगर हम भगवान को स्पष्ट रूप से बताने के बजाय उन पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं, तो जैसे ही हम किसी वाक्य में भगवान को स्पष्ट रूप से बताते हैं, खासकर इन कठिन वाक्यांशों में, ऐसा लगता है कि हर कोई उसमें कूदना चाहता है, और यही वाक्य का मुख्य बिंदु है।

खैर, हम जकर्याह और एलिजाबेथ का वर्णन कर रहे हैं। इसमें कहा गया है कि प्रभु की आज्ञाओं में निर्दोषता से चलो और परमेश्वर द्वारा दिए गए नियमों में निर्दोषता से चलो।

फिर से, यह नियमों का वर्णन है। और ये नियम प्रभु से आए हैं। इसलिए, हम कह सकते हैं कि प्रभु ने हमें अधिक सटीक होने का आदेश दिया है।

गलील का एक शहर। इसका क्या मतलब है? इसका मतलब है एक शहर जो गलील क्षेत्र में स्थित है, या गलील के क्षेत्र में। लेकिन अगर हम इसे तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं और शब्द का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं, तो इसे एक अलग तरीके से फिर से व्यक्त करने की कोशिश कर रहे हैं।

अन्य उदाहरण। याफा शहर। क्या यह गलील शहर जैसा ही है? शायद नहीं।

ठीक है, शहर का नाम याप्पा था। बेथलहम, दाऊद का शहर। क्या दाऊद इस शहर का मालिक था? नहीं।

डेविड, यह वास्तव में नए नियम में है, इसलिए जाहिर है, डेविड सदियों से मर चुका है। तो वह इसका मालिक नहीं था। क्या डेविड वहाँ रहता था? नहीं, वह नहीं था।

लेकिन यह डेविड का गृहनगर है। वास्तव में, वह उस क्षेत्र से आया था, अगर आप उसका इतिहास पढ़ें, तो वह वही क्षेत्र है जहाँ वह बड़ा हुआ। ठीक है।

कफरनहूम, एंड्रयू और पीटर का शहर। एंड्रयू और पीटर उस समय जीवित थे जब यह लिखा गया था, और इसलिए यह वह शहर है जहाँ एंड्रयू और पीटर रहते थे। यह सब समझना मुश्किल नहीं है, लेकिन कभी-कभी आप उस वाक्यांश का उपयोग नहीं कर सकते हैं, और इसलिए आपको इसे थोड़े अलग तरीके से कहने की आवश्यकता है।

और इसलिए मैं यहाँ सिर्फ उन चीज़ों को स्पष्ट कर रहा हूँ जो आप पहले से ही जानते थे। आप इसे समझ सकते हैं, यह इस समय कोई बहुत मुश्किल बात नहीं है। ठीक है, इस बारे में क्या ख्याल है? उत्पत्ति 2:11 और 12 हवीला की भूमि, हवीला की भूमि और उस भूमि के सोने के बारे में बात करता है।

तो, सोने और ज़मीन के बीच क्या संबंध है? क्या ज़मीन ने सोना पैदा किया? मैं कुछ हद तक हूँ और कुछ हद तक नहीं कह सकता, लेकिन किसी तरह, लोगों को हवीला की ज़मीन से सोना मिला। इसलिए ज़मीन

का नाम हविला रखा गया और उस ज़मीन से सोना आया। तो आप इसके स्थान, इसके स्रोत और इसके आने के स्थान के बारे में बात कर रहे हैं।

तो, अगर हम कहते हैं कि जापान का खाना शानदार है, तो जापान में लोग जो खाना खाते हैं, वह यहीं से आता है, और यही इसका स्रोत है। ठीक है, चलिए आगे बढ़ते हैं। मुझे उम्मीद है कि यह सब करने से आपको इन उदाहरणों का अंदाजा हो गया होगा। फिर से, उनमें से बहुत से बहुत सहज हैं, लेकिन हम अन्य चीजों पर चर्चा करेंगे जो इतनी सहज नहीं हैं।

ठीक है, प्रेरितों के काम 2:38. यहीं पर पतरस यरूशलेम में लोगों से कहता है कि वे पश्चात्ताप करें और अपने पापों की क्षमा के लिए बपतिस्मा लें, और फिर यह आगे कहता है, और तुम पवित्र आत्मा का उपहार प्राप्त करोगे। पवित्र आत्मा का उपहार किस बात को संदर्भित करता है? खैर, पवित्र आत्मा वह चीज़ है जो दी जा रही है।

परमेश्वर आपको पवित्र आत्मा देगा। परमेश्वर आपको पवित्र आत्मा देगा। तो आत्मा का उपहार, आत्मा ही उपहार है।

पवित्र आत्मा उपहार है। वास्तव में, मैं पवित्र आत्मा कहना पसंद नहीं करता; मैं पवित्र आत्मा कहना पसंद करता हूँ क्योंकि पवित्र आत्मा एक व्यक्ति है। इसलिए, पवित्र आत्मा।

प्रेरितों के काम 12 के बारे में क्या? प्रेरितों के काम 12 में पवित्र आत्मा के उपहारों का उल्लेख है। तो, क्या ये वो उपहार हैं जो पवित्र आत्मा प्राप्त करता है? क्या पवित्र आत्मा ही उपहार है? वास्तव में, पवित्र आत्मा ही आध्यात्मिक उपहार देता है। इसलिए, हम कह सकते हैं कि आत्मा के उपहार वे उपहार हैं जो पवित्र आत्मा देता है।

समस्या यह है कि ये दो वाक्यांश, पवित्र आत्मा का उपहार और पवित्र आत्मा के उपहार, बिल्कुल एक जैसे हैं, सिवाय इसके कि एक में उपहार बहुवचन है। लेकिन वे बिल्कुल एक जैसे हैं, और उनका मतलब दो अलग-अलग चीजें हैं। इसलिए, हम सोचते हैं, ओह, आत्मा के उपहार।

तो, अगर आप कहते हैं, मेरा जन्मदिन का उपहार, क्या आप किसी ऐसी चीज़ के बारे में बात कर रहे हैं जो आपको मिली है? यह मुश्किल है, है न? या यह कुछ ऐसा है जो मैं किसी को उनके जन्मदिन पर दे रहा हूँ? ठीक है, मैंने टेड के लिए कौन सा जन्मदिन का उपहार खरीदा, या मुझे किसी और तरीके से कौन सा जन्मदिन का उपहार मिला? यूहन्ना 5:42, और यहाँ हमारे पास एक मुहावरा है, तुम्हारे दिलों में परमेश्वर का प्रेम नहीं है। यीशु लोगों से बात करते हैं, और वह उन्हें इस लंबी चर्चा में फटकारते हैं जो यीशु ने यूहन्ना 5 में की थी। और यह स्पष्ट है कि यीशु वहाँ के लोगों से असहमत हैं, और फिर हम यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि वह उन पर अपने दिलों में परमेश्वर का प्रेम न होने का आरोप क्यों लगाते हैं।

ठीक है, तो याद रखें कि हमने प्यार जैसे शब्दों के बारे में क्या कहा था? आपके पास एक व्यक्ति है जो प्यार करता है, और आपके पास कोई ऐसा व्यक्ति है जिसे प्यार किया जाता है या कोई चीज़ है जिसे प्यार किया जाता है। तो, क्या यीशु उन्हें बता रहे हैं कि परमेश्वर आपसे और आपके दिलों से प्यार नहीं करता है? यह एक संभावना है। तो परमेश्वर प्रेमी है, और लोग वे हैं जिन्हें प्यार किया जा रहा है।

क्या यह उनके परमेश्वर से प्रेम करने या परमेश्वर से प्रेम न करने के बारे में बात कर रहा है? और यदि आप संदर्भ को देखें, तो यीशु कह रहे हैं कि आपको लगता है कि आप नियमों का पालन कर रहे हैं, लेकिन आपके दिल में परमेश्वर के लिए प्रेम नहीं है। हम इसे कैसे फिर से परिभाषित कर सकते हैं और

इसे कैसे तोड़ सकते हैं, और इसका क्या मतलब है? और यदि आप इसे देखें, तो वह उन पर परमेश्वर से प्रेम न करने का आरोप लगा रहे हैं। आप अपने दिल में परमेश्वर से प्रेम नहीं करते।

लेकिन आप देख सकते हैं कि ईश्वर का प्रेम, ईश्वर का प्रेम, अनेक पापों को ढक लेता है। ईश्वर के प्रेम वाक्यांश के बारे में एक और बात यह है कि यह एक अमूर्त वाक्यांश है, जिसे अगर हम बहुत जल्दी पढ़ लें, तो हमें लगता है कि हम इसे समझ गए हैं। हमें इस पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है, और हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि हम जो संप्रेषित किया जा रहा है, उसे समझें।

ठीक है, जननात्मक वाक्यांशों के अनुवाद के लिए विकल्प। सबसे पहले, हम दो वाक्यांशों के बीच संबंध निर्धारित करते हैं, और हम यह भी निर्धारित करते हैं कि उस वाक्यांश का कार्य क्या है। इसलिए, अगर मैं इस पर वापस जा सकता हूँ, तो पवित्र आत्मा के उपहार पवित्र आत्मा द्वारा लोगों को आध्यात्मिक सशक्तीकरण देने का वर्णन करते हैं।

इसका कार्य पवित्र आत्मा के कार्य का वर्णन करना है। आपको पवित्र आत्मा का उपहार मिलेगा, यह वर्णन करना है कि उन्हें क्या दिया जाएगा, और इसलिए यह वर्णन महत्वपूर्ण हिस्सा है। और परमेश्वर का प्रेम, वे कुछ निश्चित गतिविधियाँ नहीं कर रहे थे, और यहाँ ध्यान में रखी गई गतिविधि परमेश्वर से प्रेम करना है, और इसलिए जब हम वाक्यांश का कार्य कहते हैं तो हमारा मतलब यही होता है।

ठीक है, और फिर आप इन अलग-अलग वाक्यांशों के अनुवाद के लिए अलग-अलग विकल्पों का पता लगाते हैं। लक्ष्य भाषा में वे किस तरह से अलग-अलग बातें कह सकते हैं? इसलिए अगर उनके पास समान वाक्यांश हैं, या अगर वे ईश्वर का प्रेम कह सकते हैं और यह सही बात बताता है, अगर वे पवित्र आत्मा का उपहार कहते हैं और यह सही बात बताता है, तो कुछ भी बदलने की ज़रूरत नहीं है। आप बस बाइबिल के पाठ के रूप का उपयोग करके इसका अनुवाद कर सकते हैं।

और जैसा कि मैंने स्वाहिली में कहा, कभी-कभी वे इन संज्ञाओं का उपयोग of के साथ करते हैं, और यह ठीक से संचार करता है। यदि यह ठीक से संचार करता है, तो जैसा कि हम कहते हैं, यदि यह टूटा हुआ नहीं है, तो इसे ठीक न करें। इसकी कोई आवश्यकता नहीं है क्योंकि यह पहले से ही अच्छी तरह से संचार कर रहा है।

बढ़िया। उदाहरण के लिए, वे यरूशलेम शहर गए। अगर मैं इसका स्वाहिली में अनुवाद करूँ, तो लोग आसानी से समझ जाएँगे कि यह शहर का नाम है।

हमें कुछ भी बदलने की ज़रूरत नहीं है। हालाँकि, अगर यह अजीब लगता है, यह संवाद नहीं करता है, और यह रिश्ते और या फ़ंक्शन को स्पष्ट नहीं करता है, तो हमें इसे फिर से समायोजित करने और चीजों को अधिक स्पष्ट रूप से स्पष्ट तरीके से कहने की आवश्यकता है ताकि लोग समझ सकें। धन्यवाद।

यह डॉ. जॉर्ज पेटन द्वारा बाइबल अनुवाद पर दिया गया शिक्षण है। यह सत्र 21 है, जनन संबंधी वाक्यांश।